RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 259
दि. 20.01.2026,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

सऊदी अरब से तनाव के बीच यूएई के राष्ट्रपति भारत दौरे पर, सिर्फ 2 घंटे की विजिट बनी चर्चा का विषय

(जीएनएस)।

सऊदी अरब से तनाव के बीच संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने सोमवार (19 जनवरी, 2026) को भारत का दौरा किया. शेख नाहयान सिर्फ दो घंटे के दौरे के लिए भारत पहुंचे, जिनके स्वागत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद प्रोटोकॉल तोड़कर उन्हें रिसीव करने के लिए एयरपोर्ट पहुंच गए. पीएम मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति का गले लगाकर गर्मजोशी से स्वागत किया और फिर एक ही कार में बैठकर दोनों एयरपोर्ट से निकले.

हालांकि, राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान का मात्र दो घंटे के लिए भारत की यात्रा पर पहुंचना चर्चा का एक प्रमुख विषय बन गया है. दरअसल, इस चर्चा के पीछे का मुख्य कारण इस यात्रा की टाइमिंग है. यूएई के राष्ट्रपति भारत की यात्रा पर ऐसे वक्त में हुआ जब ईरान पर अमेरिकी हमला का खतरा टल गया है, तो दूसरी तरफ भारत को अमेरिका की ओर से गाजा शांति बोर्ड में शामिल होने के लिए न्योता मिला है.

संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के राष्ट्रपति के भारत दौरे को लेकर विदेश मंत्रालय ने सोमवार (19 जनवरी, 2026) को एक आधिकारिक बयान जारी किया है. बयान में भारतीय विदेश मंत्रालय (MEA) ने कहा, 'यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान का यह भारत दौरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण के बाद हो रहा है. महामहिम अल नाहयान के यूएई के राष्ट्रपति बनने के बाद यह भारत की उनकी तीसरी आधिकारिक यात्रा है और पिछले एक दशक में यह उनकी पांचवीं भारत यात्रा है.'

विदेश मंत्रालय ने आगे कहा, 'सोमवार की शाम दोनों देशों के नेताओं के बीच मुलाकात तय है. यूएई के राष्ट्रपति अल नाहयान का यह दौरा दोनों नेताओं को भारत और संयुक्त अरब अमीरात के स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप को और मजबूत करने का अवसर देगी. उनकी इस यात्रा के दौरान दोनों नेता कई क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर आपसी हित से जुड़े मुद्दों पर बात करेंगे.'

संयुक्त अरब अमीरात की भारत यात्रा से परिचित लोगों ने बताया कि राष्ट्रपति अल नाहयान और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बातचीत के एजेंडे में मुख्य रूप से व्यापार, निवेश, रक्षा उद्योग में सहयोग के साथ-साथ ऊर्जा से जुड़ी पहल के मुद्दे शामिल रहने की उम्मीद है. दो घंटे के भारत यात्रा के शेड्यूल के मुताबिक, संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान भारतीय समयानुसार शाम साढ़े चार बजे के करीब राजधानी दिल्ली पहुंचे. इसके बाद करीब 4 बजकर 45 मिनट पर उनकी और प्रधानमंत्री मोदी की वार्ता शुरू हुई और करीब शाम 6 बजे वो दिल्ली से रवाना हुए. इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आवास पर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान और उनके परिवार का गर्मजोशी से स्वागत किया. इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने यूएई राष्ट्रपति और उनके परिवार को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जुड़े पारंपरिक उपहार भेंट किए.

प्रधानमंत्री मोदी ने यूएई राष्ट्रपति को गुजरात की पारंपरिक शाही नक्काशीदार लकड़ी की झूला (झूला) भेंट की. यह सुंदर झूला बारीक फूलों और पारंपरिक डिजाइनों से हाथ से तराशा गया है और गुजरात के कई परिवारों के घरों का अभिन्न हिस्सा माना जाता है. गुजराती संस्कृति में झूला आपसी संवाद, पारिवारिक एकता और पीढ़ियों के बीच जुड़ाव का प्रतीक है. यह उपहार यूएई द्वारा 2026 को 'ईयर ऑफ फैमिली' घोषित किए जाने के संदर्भ में भी विशेष महत्व रखता है.

इसके अलावा प्रधानमंत्री ने शेख मोहम्मद बिन जायद को कश्मीरी पश्मीना शॉल एक सुसज्जित चांदी के डिब्बे में भेंट की. यह पश्मीना शॉल कश्मीर की बारीक ऊन से हाथ से तैयार की गई है, जो अपनी कोमलता, हल्केपन और गर्माहट के लिए जानी जाती है. शॉल को रखने के लिए उपयोग किया गया सजावटी चांदी का बॉक्स तेलंगाना में निर्मित है. ये दोनों उपहार मिलकर भारत की समृद्ध हथकरघा और हस्तशिल्प परंपरा को दर्शाते हैं.

प्रधानमंत्री ने यूएई की प्रतिष्ठित महिला नेता शेखा फातिमा बिंत मुबारक अल केतबी को भी पश्मीना शॉल एक अलंकृत चांदी के डिब्बे में भेंट की. इसके साथ ही उन्हें कश्मीरी केसर भी चांदी के सुसज्जित बॉक्स में भेंट किया गया. कश्मीर घाटी में उगाया जाने वाला यह केसर अपने गहरे लाल रंग और खुशबू के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है.

शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान का यह कुछ घंटों का भारत दौरा दोनों देशों के व्यापारिक और कूटनीतिक संबंधों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है. यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब वैश्विक राजनीति में भारी उथल-पुथल देखने को मिल रही है. एक ओर वेनेजुएला और ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका की चीन और रूस के साथ तनातनी है, वहीं ईरान में हालात बेहद गंभीर बने हुए हैं. इसके अलावा यूएई और सऊदी अरब के बीच तनाव की खबरें भी सामने आ रही हैं. ऐसे माहौल में भारत और यूएई के शीर्ष नेतृत्व की यह मुलाकात खास अहमियत रखती है.

नोएडा में इंजीनियर की मौत का मामलाः सीएम योगी ने मामले का लिया संज्ञान, सीईओ हटाए गए

नोएडा , (जीएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई करते हुए नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम को पद से हटा दिया है। इसे प्रशासनिक जवाबदेही की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

जानकारी के अनुसार ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-150 में सॉफ्टवेयर इंजीनियर की कार समेत डूबने से हुई दर्दनाक मौत की घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ा संज्ञान लिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच के लिए तीन सदस्यीय विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया गया है। यह टीम पांच दिनों के भीतर अपनी जांच पूरी कर मुख्यमंत्री को रिपोर्ट सौंपेगी।

इसके साथ ही नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम को हटा दिए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मामले की गंभीरता को देखते हुए

तीन सदस्यीय एसआईटी करेगी जांच

त्वरित कार्रवाई करते हुए नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम को पद से हटा दिया है। इसे प्रशासनिक जवाबदेही की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, सीएम ने साफ निर्देश दिए हैं कि जांच में यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही या दोष सामने आता है तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एसआईटी का नेतृत्व एडीजी जोन मेरठ करेंगे। उनके साथ मंडलायुक्त मेरठ और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के चीफ इंजीनियर को भी टीम में शामिल किया गया है। जांच टीम को हादसे के कारणों, संबंधित विभागों की भूमिका, लापरवाही की जिम्मेदारी और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के उपायों की विस्तृत पड़ताल करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रशासन पर उठे गंभीर सवाल

सेक्टर-150 क्षेत्र में भारी जलभराव के दौरान सॉफ्टवेयर इंजीनियर की कार पानी से भरे गड्ढे/अंडरपास में फंस गई थी, जिससे कार समेत व्यक्ति की डूबने से मौत हो गई।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर जताया भरोसा, FY26 में 7.3% की रफ्तार

आईएमएफ के ताजा अनुमान के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 (FY26) में भारत की अर्थव्यवस्था 7.3 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है। यह अनुमान पहले की तुलना में 0.7 प्रतिशत अंक अधिक है। भारतीय अर्थव्यवस्था के

वैश्विक स्तर पर मजबूत होने का संकेत माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक अनिश्चितताओं और कमजोर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार माहौल के बावजूद भारत की आर्थिक रफ्तार मजबूत बनी हुई है।

IMF का कहना है कि भारत की यह तेज वृद्धि वैश्विक औसत और विकसित अर्थव्यवस्थाओं से कहीं आगे है।

महिला संग अश्लील हरकत करते डीजीपी रामचंद्र राव का वीडियो वायरल, आगबबूला हुए कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया

कर्नाटक के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी डीजीपी रामचंद्र राव का आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में राव सरकारी कार्यालय में पुलिस की वर्दी में में महिला के साथ अश्‍ लील हरकतें करते नजर आ रहे है। इस वीडियो के वायरल होते ही कर्नाटक पुलिस विभाग की प्रतिष्ठा को भारी ठेस पहुंची है। सोशल मीडिया पर इस वीडियो को देखकर लोग जबरदस्त गुस्सा जता रहे हैं। जनता इसे 'काला धब्बा' बताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दे रही है।

'नरेंद्र मोदी न काम के हैं, न राम के', अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को संगम स्नान से रोकने पर भड़के पवन खेड़ा, बोले- वह सनातनी नहीं

पवन खेड़ा ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री हस्तक्षेप नहीं करते हैं और हिंदुओं से माफी नहीं मांगते हैं तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि वह ' सनातनी ' नहीं, ' धनातनी ' हैं।

लखनऊ (जीएनएस)।

कांग्रेस ने ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को संगम में स्नान से कथित तौर पर रोके जाने की निंदा की। पार्टी ने सोमवार को भाजपा सरकार पर एक संत का अपमान करने का आरोप लगाते हुए पीएम मोदी के हस्तक्षेप की मांग की। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यह भी कहा कि पूरा देश देख रहा है कि भाजपा के शासन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत को '+ श्रेणी की सुरक्षा मिलती है लेकिन एक शंकराचार्य के साथ इस तरह का सुलूक किया जा रहा है।

पवन खेड़ा ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि अगर प्रधानमंत्री हस्तक्षेप नहीं करते हैं और हिंदुओं से

माफी नहीं मांगते हैं तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि वह ' सनातनी ' नहीं , ' धनातनी ' हैं। खेड़ा ने कहा , " नरेन्द्र मोदी 12 साल से सत्ता में हैं और जिनकी मेहरबानी से ये सत्ता में बैठे हैं , उनके साथ कैसा सलूक किया जा रहा है , यह दुनिया देख रही है। क्या शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी का अपराध यही है कि वह आपकी जय - जयकार नहीं करते , निंदा करते हैं , आधे - अधूरे मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पर आपत्ति जताते हैं , महाकुंभ की कुव्यवस्था पर सवाल उठाते हैं , कोविड के दौरान मां गंगा के आंचल में तैरती लाशों पर बात करते हैं। "

कांग्रेस प्रवक्ता ने आगे कहा किया , " सच्चाई यही है कि नरेन्द्र मोदी न काम के हैं , न राम के हैं। " खेड़ा ने कहा , " माघ मेले में ' शाही स्नान ' की परंपरा पुरानी है , जिसे आज तक न अंग्रेजों ने रोका , न मुगलों ने रोका लेकिन यह सरकार विघ्न डाल रही है।" उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के लोग धर्म के पीछे छिपकर , सबको मूर्ख बनाते हैं और सिर्फ अमीरों का ध्यान रखते हैं।

कीर्ति आजाद ने घुसपैठ पर पीएम मोदी पर किया पलटवार, दिल्ली और पहलगाम में सुरक्षा चूक पर उठाए सवाल

दुगार्पुरः (जीएनएस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव कुछ ही महीनों दूर हैं लेकिन राज्य की सियासत अभी से काफी गरमा गई है. हुगली जिले में सिंगूर के मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के घुसपैठ पर तंज के बाद, पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने वोट बैंक के लिए घुसपैठियों को सुरक्षित रास्ता देने का आरोप लगाते हुए उनसे नेशनल सिक्योरिटी पर सवाल किया है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को सिंगूर में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर पर 'वोट बैंक' की राजनीति के लिए घुसपैठियों की मदद करके राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया था.

पीएम मोदी के बयान पर जवाब देते हुए बर्दवान-दुगार्पुर सीट से तृणमूल सांसद कीर्ति आजाद ने नेशनल

सिक्योरिटी के मुद्दे पर सीधे नरेंद्र मोदी सरकार को आड़े हाथों लिया. प्रधानमंत्री पर निशाना साधने के लिए उन्होंने दिल्ली ब्लास्ट और कश्मीर की बैसरन घाटी में हुए आतंकवादी हमलों का जिक्र किया.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बंगाल का दौरा तब किया जब एसआईआर प्रोसेस को लेकर राजनीतिक पारा अपने चरम पर था. हर बार की तरह इस बार भी उन्होंने घुसपैठ के मुद्दे पर राज्य सरकार पर कड़ा हमला बोला है.

रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिंगूर में एक रैली से सीधे राज्य सरकार पर नेशनल सिक्योरिटी में रुकावट डालने का आरोप लगाया. उन्होंने आरोप लगाया कि वोट बैंक की राजनीति बनाए रखने और घुसपैठियों को बचाने के लिए तृणमूल बॉर्डर पर फेंसिंग के काम में रुकावट डाल रही है.

पीएम मोदी ने कहा कि, तृणमूल कांग्रेस ने इन घुसपैठियों को नकली कागजात बनाने में मदद की है. सिर्फ अपने पक्के वोट बैंक को बचाने के लिए. उन्होंने कहा था कि, तृणमूल इन घुसपैठियों को हर तरह की सुविधाएं दे रही है. पश्चिम बंगाल के लोगों को जो सुविधाएं मिलनी चाहिए।

अत्यंत गौरव का विषय है कि उ.प्र. को 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन तथा विधानमंडलों के सचिवों के 62वें सम्मेलन की मेजबानी का अवसर प्राप्त हुआ : श्री महाना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना ने कहा कि यह उत्तर प्रदेश के लिए अत्यंत गौरव का विषय है कि राज्य को 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन तथा विधानमंडलों के सचिवों के 62वें सम्मेलन की मेजबानी का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन संसदीय लोकतंत्र की गरिमा, विधायी मयार्दाओं और संवैधानिक मूल्यों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मंच है।

विधानसभा अध्यक्ष ने सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर महामहिम राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और संरक्षण में उत्तर प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला का विशेष स्वागत करते हुए कहा कि संसदीय नवाचारों, तकनीकी

समावेशन और लोकतांत्रिक परंपराओं को सशक्त करने में उनका योगदान देश ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहनीय है।

श्री महाना ने राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश, उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सभापति श्री कुंवर मानवेन्द्र सिंह, नेता प्रतिपक्ष श्री माता प्रसाद पाण्डेय सहित देशभर से पधारे सभी पीठासीन अधिकारियों, उप पीठासीन अधिकारियों, सचिवों एवं प्रतिनिधियों का हार्दिक अभिनंदन किया।

77वें गणतंत्र पर्व 26 जनवरी, 2026 का राज्य स्तरीय समारोह नवगठित वाव-थराद जिले में आयोजित होगा

- राज्यपाल आचार्य देवव्रतजी मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में ध्वजारोहण करेंगे तथा परेड की सलामी लेंगे
- उप मुख्यमंत्री तथा मंत्रिमंडल के अन्य सदस्य राज्य के जिलों में विभिन्न तहसील मुख्यालयों पर फहराएंगे तिरंगा
- 9 जिलों में कलेक्टरों के करकमलों से ध्वजारोहण

गांधीनगर, (जीएनएस)। 77वें गणतंत्र पर्व 26 जनवरी 2026 का राज्य स्तरीय समारोह नवगठित वाव-थराद जिले में आयोजित होगा।

राज्यपाल आचार्य देवव्रतजी मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में वाव-थराद जिला मुख्यालय मालपुर में नए कोर्ट के सामने स्थित हेलीपैड मैदान में गणतंत्र पर्व पर सुबह 9 बजे राष्ट्रध्वज फहरा कर ध्वज वंदन कराएंगे और परेड मार्च पास्ट की सलामी लेंगे। इस राज्य स्तरीय समारोह के अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा पुलिस बल द्वारा विभिन्न निदर्शन भी प्रस्तुत किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल से राष्ट्रीय पर्वों का राज्य स्तरीय समारोह अलग-अलग जिलों में जन भागीदारी से आयोजित करने की शुरू कराई गई नूतन परंपरा के अनुसार 77वें गणतंत्र पर्व का राज्य स्तरीय समारोह नवगठित वाव-थराद जिले में आयोजित होने वाला है।

यह राष्ट्रीय पर्व राज्य के विभिन्न जिलों में तहसील मुख्यालयों पर आयोजित होगा। इसमें उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी अहमदाबाद में मकरबा क्षेत्र में ध्वजारोहण करेंगे। इसके अलावा; राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य सम्बद्ध जिलों के मुख्यालयों पर गणतंत्र पर्व समारोह में उपस्थित रहकर ध्वजारोहण करेंगे।

राज्य के सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) द्वारा इस संदर्भ में घोषित की गई सूची के अनुसार केबिनेट स्तरीय मंत्रियों में वित्त मंत्री श्री कनुभाई देसाई नवसारी जिले के चीखली में, कृषि मंत्री श्री जीतूभाई वाघाणी राजकोट जिले के जेतपुर में, ऊर्जा मंत्री श्री ऋषिकेश पटेल गांधीनगर जिले के माणसा में, श्रम एवं रोजगार मंत्री श्री कुँवरजीभाई बावळिया पोरबंदर जिले के राणावाव में, आदिजाति विकास मंत्री श्री नरेशभाई पटेल वलसाड जिले के उमरगाम में, वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री अर्जुनभाई मोढवाडिया दाहोद जिले के गोविंद गुरु-लींबडी में, शिक्षा मंत्री डॉ. प्रद्युमनभाई वाजा साबरकाँठा जिले के हिंमतनगर में तथा खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री रमणभाई सोलंकी खेडा जिले के ठासरा में तिरंगा फहराएंगे।

राज्य स्तरीय मंत्री जिन जिलों में गणतंत्र पर्व के उपलक्ष्य में ध्वजारोहण करेंगे; उनमें जल संसाधन राज्य मंत्री श्री ईश्वरसिंह पटेल नर्मदा जिले के एकतानगर (केवडिया) में, महिला एवं बाल कल्याण राज्य मंत्री डॉ. मनीषाबेन वकील छोटा उदेपुर जिले के बोडेली में, मत्स्योद्योग राज्य मंत्री श्री परसोत्तम सोलंकी गीर-सोमनाथ जिले के तालाला में, श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री श्री कांतिभाई अमृतिया कच्छ जिले के भुज में, कृषि राज्य मंत्री श्री रमेशभाई कटारा पंचमहाल जिले के हालोल में, शहरी विकास राज्य मंत्री श्रीमती दर्शनाबेन वाघेला सुरेन्द्रनगर जिले के वढवाण में, विधि राज्य मंत्री श्री कौशिकभाई वेकरिया भावनगर जिले के वलभीपुर में, परिवहन राज्य मंत्री श्री प्रवीणभाई माळी मेहसाणा जिले के विसनगर में, खेल राज्य मंत्री डॉ. जयरामभाई गामित डांग जिले के आहवा में, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री श्री त्रिकमभाई छांग अमरेली जिले के खांभा में, वित्त राज्य मंत्री श्री कमलेशभाई पटेल वडोदरा जिले के वाघोडिया में, राजस्व राज्य मंत्री श्री संजयसिंह महिडा आणंद जिले के खंभात में, आदिजाति विकास राज्य मंत्री श्री पी. सी. बरंडा महिसागर जिले के कडाणा में, कुटीर उद्योग राज्य मंत्री श्री स्वरूपजी ठाकोर पाटण जिले के शंखेश्वर में तथा प्राथमिक, माध्यमिक एवं प्रौढ़ शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती रीवाबा जाडेजा बोटाद जिले के गढडा में तिरंगा फहराएंगे।

सम्पादकीय

रणनीतिक रूप से भारत के लिए काफी अहम चाबहार पोर्ट

ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा के बाद से ही यह सवाल बना हुआ था कि भारत पर इसका क्या असर पड़ेगा? ईरान से भारत का व्यापार अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण बेशक बड़ा नहीं है लेकिन ईरान रणनीतिक रूप से भारत के लिए काफी अहम है। ईरान के दक्षिणी तट पर सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित चाबहार बंदरगाह इसी रणनीति का अहम हिस्सा है। इसे भारत और ईरान मिलकर विकसित कर रहे थे ताकि भारत को मध्य एशिया और अफगानिस्तान तक सीधे पहुंच मिल सके। चाबहार भारत के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि इसके जरिए वह पाकिस्तान को बाइपास करते हुए मध्य एशिया पहुंच सकता है। लेकिन अमेरिका के अतिरिक्त टैरिफ की घोषणा के बाद से भारत के चाबहार पोर्ट से बाहर होने की खबरें जोर पकड़ने लगी हैं। इन खबरों और अटकलों को देखते हुए भारत सरकार ने बीते शुक्रवार को जवाब दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को कहा, जैसा कि आप जानते हैं 28 अक्टूबर 2025 को अमेरिकी वित्त विभाग ने एक पत्र जारी किया था जिसमें 26 अप्रैल 2026 तक वैध सशर्त प्रतिबंध छूट के दिशा-निर्देश दिए गए थे। हम इस व्यवस्था को अंतिम रूप देने के लिए अमेरिकी पक्ष के साथ संपर्क में हैं। ईरान के साथ हमारा संबंध लंबे समय से चला आ रहा है। हम घटनाक्रम पर करीबी नजर रखे हुए हैं और इस साझेदारी को आगे बढ़ाएंगे। पिछले वर्ष भारत और ईरान के बीच व्यापार 1.6 अरब डॉलर का था। ईरान, भारत के कुल व्यापार का 0.15 प्रतिशत हिस्सा है। दरअसल, चाबहार को लेकर इन अटकलों को हवा मिली इकनॉमिक टाइम्स में छपी एक रिपोर्ट से। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत ने चाबहार परियोजना से खुद को रणनीतिक रूप से पीछे करना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने अपने तय निवेश की राशि पहले ही ईरान को ट्रांसफर कर दी है और इस परियोजना का संचालन करने वाली सरकारी कंपनी इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड ने औपचारिक रूप से दूरी बना ली है ताकि भविष्य में किसी भी अमेरिकी प्रतिबंध से बचा जा सके। विपक्षी पार्टियों, वरिष्ठ पत्रकार और यहां तक कि अंतर्राष्ट्रीय मामलों के जानकार भी अमेरिका को लेकर भारत की नीति पर सवाल उठा रहे हैं। इनका दावा है कि भारत बार-बार अमेरिका को नाराज न करने के दबाव में झुक रहा है और अपने बड़े हितों को नुकसान पहुंचा रहा है। कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया एक्स पर सवाल किया है कि भारत आखिर कब तक अमेरिका के दबाव में फैसला लेता रहेगा? उन्होंने लिखा— असल मुद्दा केवल चाबहार या रूस के तेल का नहीं है। असली सवाल यह है कि मोदी अमेरिका को भारत पर दबाव डालने क्यों दे रहे हैं? सामरिक मामलों के विशेषज्ञ डॉ. ब्रह्मा चेलानी ने एक्स पर लिखा : 2019 में जब अमेरिका ने ईरान के तेल पर प्रतिबंध लगाए तो भारत ने अचानक ईरान से तेल खरीदना बंद कर दिया। इससे भारत और ईरान के बीच चला आ रहा ऊर्जा संबंध लगभग खत्म हो गया और इसका सीधा फायदा चीन को मिला। चाबहार बंदरगाह पाकिस्तान के ग्वादर पोर्ट जिसे चीन चला रहा है उसके मुकाबले भारत का एक रणनीतिक जवाब माना जाता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि ईरान का चाबहार पोर्ट भारत के लिए बेहद अहम ट्रेड हब है। इस पोर्ट को विकसित करने में हमने 47000 करोड़ रुपए का निवेश किया हुआ है। चाबहार भारत के पाकिस्तान को बाइपास कर अफगानिस्तान और सेंट्रल एशिया पहुंचाने में मदद करता है। ईरान को लेकर फिलहाल ट्रंप का रवैया कभी हां, कभी ना वाला रहा है। फिलहाल वूटनीतिक पहल कर भारत अमेरिका के साथ इस मुद्दे पर अपनी बात मनवा सकता है, ऐसी आशा हम करते हैं। भारत अपने हितों को ऊपर रखे और किसी भी बाहरी दबाव में न आए।

असम की सड़कों को मिलेगा ग्लोबल टच, इस योजना से बदल जाएगी पूर्वोत्तर की तस्वीर

(जीएनएस)।

असम माला 2.0 राज्य की सड़क संरचना को वैश्विक स्तर तक पहुंचाने की एक महत्वाकांक्षी योजना है। असम में आधुनिक, तेज और सुरक्षित सड़क नेटवर्क विकसित करने की दिशा में यह अहम कदम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्च 2024 में इस योजना के दूसरे चरण की आधारशिला रखी थी। आवाजाही को सुगम बनाने के साथ ही पूर्वोत्तर को देश के प्रमुख हिस्सों से कनेक्टिविटी बेहतर बनाएगी।

असम माला 2.0 के तहत राज्यभर में लगभग 1,000 किलोमीटर लंबी सड़कों का नेटवर्क विकसित और उन्नत किया जाएगा। इस योजना में 43 प्रमुख सड़कों का अपग्रेडेशन का काम भी शामिल है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच बेहतर कनेक्टिविटी बनेगी।

38 महत्वपूर्ण पुलों का भी होगा निर्माण

– इसके साथ ही इस चरण में 38 महत्वपूर्ण पुलों के निर्माण और सुधार का कार्य भी किया जाएगा। ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों पर यातायात को सुगम बनाएंगे।

– इसके अलावा, गुवाहाटी एयरपोर्ट को जोड़ने वाली सड़क के चौड़ीकरण का काम भी इसी योजना का हिस्सा है। इससे एयरपोर्ट तक पहुंच और भी आसान होगी।

2.0: लागत और निवेश

असम माला 2.0 के तहत शुरू की गई विभिन्न सड़क और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए ₹3,444 करोड़ का प्रारंभिक निवेश आवंटित किया गया है। मार्च 2025 में पेश असम बजट में बुनियादी ढांचे के लिए ₹7,481 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इसमें 'असम माला' के अंतर्गत 'वन डिस्ट्रिक्ट वन रोड' पहल के लिए ₹2,625 करोड़ अलग से रखे गए हैं। इससे यह साफ है कि राज्य सरकार इस परियोजना को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

समय की बचत और ट्रैफिक पर असर

इस योजना के तहत गुवाहाटी और अपर असम के प्रमुख शहरों में एलिवेटेड कॉरिडोर और फ्लाईओवर बनाए जाएंगे। इससे शहरी इलाकों में ट्रैफिक जाम से बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। अनुमान है कि इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद शहरों में यात्रा का समय 30 से 45 मिनट तक कम हो जाएगा। इसके अलावा, यह योजना रअरएउ कॉरिडोर से भी जुड़ी हुई है, जिससे अंतर-राज्य और अंतरराष्ट्रीय व्यापार को नई गति मिलेगी। पूर्वोत्तर में निवेश और व्यापार के विस्तार के लिए यह प्रोजेक्ट महत्वपूर्ण है।

2026 के अंत तक पूरा हो जाएगा

- असम माला 2.0 के अंतर्गत अधिकांश पुलों और सड़कों का निर्माण कार्य 2023-24 में शुरू हो चुका है।
- गुवाहाटी रिंग रोड और प्रमुख फ्लाईओवर प्रोजेक्ट्स को दिसंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि छोटे खंड और जिला सड़कें 2026 के अंत तक चरणबद्ध तरीके से पूरी होने की उम्मीद है।
- असम माला 2.0 न केवल राज्य की कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा बल्कि असम को पूर्वोत्तर भारत का इंफ्रास्ट्रक्चर हब बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा।

स्मार्ट शहर -स्मार्ट उपाय : सीसीटीवी+एआई=आवारा गाय को भीड़ में चिह्नित कर उसके मालिक की पहचान उजागर करेगा

- फिंगर प्रिंट की तरह गाय की नाक है उसकी यूनिक बायोमेट्रिक आईडी : नाक की रचना, आँखों तथा चेहरे को स्कैन करने वाली टेक्नोलॉजी
- अहमदाबाद महानगर पालिका के लिए पायलट प्रोजेक्ट की तैयारी, एजेंसी द्वारा एआई मॉडल निर्माण पर कार्य शुरू
- गुजरात के शहरों के सर्वांगीण विकास का विजन, एआई टेक्नोलॉजी से स्मार्ट गवर्नेंस की ओर राज्य सरकार के बढ़ते कदम

गांधीनगर, 19 जनवरी : गुजरात के शहरों को स्मार्ट बनाने के लिए राज्य सरकार आधुनिक टेक्नोलॉजी तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग को प्राथमिकता दे रही है। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गांधीनगर में एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना किए जाने के बाद इस टेक्नोलॉजी को राज्य के शासन में समाविष्ट कर नागरिक सेवा वितरण को समृद्ध बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए अहमदाबाद महानगर पालिका (मनपा) क्षेत्र के दायरे में आने वाली समस्या के लिए एक महत्वपूर्ण पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है, जिसके माध्यम से आने वाले दिनों में आवारा पशुओं के कारण उत्पन्न होने वाली समस्याओं का समाधान आसान बनेगा।

अहमदाबाद में भटकती-आवारा गायों के कारण कई बार यातायात समस्या देखने को मिलती है। हाल में अहमदाबाद मनपा की टीम सीसीटीवी कैमरा की सहायता से अलग-अलग क्षेत्रों में आवारा गायों की तसवीर खींचने के बाद उसमें लगी माइक्रो चिप तथा आरएफआईडी टैग के आधार पर गाय को चिह्नित करती है। यह प्रक्रिया मैन्युअल होने के कारण इसमें समय एवं ऊर्जा का काफी व्यय होता है। इस कार्य को तेज बनाने तथा समय एवं ऊर्जा का व्यय घटाने के लिए अब एआई टेक्नोलॉजी को इस कार्य में शामिल करने के प्रयास शुरू किए गए हैं।

इस समस्या के निवारण के उद्देश्य से गांधीनगर स्थित गिफ्ट सिटी में एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस द्वारा एक एजेंसी को एआई मॉडल बनाने का कार्य सौंपा गया है। एजेंसी ने डीप लर्निंग मॉडल द्वारा इस समस्या के निराकरण के लिए कुछ सुझाव प्रस्तुत किए हैं और उनके आधार पर एजेंसी संचालन समिति के समक्ष उनके द्वारा तैयार किया गया मॉडल शीघ्र ही प्रस्तुत करेगी। एजेंसी सीसीटीवी कैमरा द्वारा ली जाने वाली तसवीरों को एआई मॉडल के साथ एकीकृत कर रियल टाइम में गाय तथा उसके मालिक की पहचान करने वाला एआई मॉडल तैयार कर रही है।

एजेंसी का प्रस्तावित एआई मॉडल कैसे काम करेगा ?

एजेंसी ने कम्प्यूटर विजन तथा डीप लर्निंग एआई मॉडल द्वारा इस समस्या का समाधान सुझाया है। इस मॉडल अंतर्गत एआई गाय के चेहरे को स्कैन करेगा, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण पहचान गाय की नाक के आधार पर होगी। जिस प्रकार हर व्यक्ति की फिंगर प्रिंट अलग-अलग होती है, उसी प्रकार हर गाय के नाक का डिजाइन अलग-अलग होता है। इसके अलावा; गाय की आँखों व चेहरे पर कोई दाग या निशान हो, तो उसे भी स्कैन किया जाएगा। उसके आधार पर एआई मॉडल उस गाय को भीड़ में चिह्नित कर लेगा और डेटाबेस के साथ मैच कर गाय के मालिक का विवरण भी प्रस्तुत कर देगा।

हाल में अहमदाबाद में लगभग 1 लाख 10 हजार गायों में आरएफआईडी टैग तथा माइक्रो चिप लगी हुई हैं। उसका डेटाबेस अहमदाबाद मनपा द्वारा संरक्षित किया जाता है। शहर में 130 जंक्शन पर कैमरा द्वारा आवारा गायों की तसवीरें ली जाती हैं। एआई आधारित यह सॉल्यूशन यदि कारगर सिद्ध होगा, तो मनपा क्षेत्र में आवारा गायों के कारण होने वाली यातायात व अन्य समस्याओं के शीघ्र निवारण में सहायता मिलेगी। इसके माध्यम से सरकार का आवारा गायों से होने वाली दुर्घटनाओं को रोककर सार्वजनिक सुरक्षा बढ़ाने और डेटा आधारित निरीक्षण व्यवस्था को प्रस्थापित करने का उद्देश्य है।

कलर्स के 'सहर होने को है' में दिल जीत रहा है #महर पार्थ समथान और ऋषिता कोठारी अपने ऑन-स्क्रीन रोमांस पर

एक ऐसी दुनिया में जहाँ पावर, पितृसत्ता और सर्वाइवल का राज है, प्यार एक विरोध बन जाता है! और कलर्स का 'सहर होने को है' यह साबित कर रहा है कि जब प्यार भावनात्मक सच्चाई पर आधारित होता है, तो यह सबसे ज्यादा असरदार ताकत हो सकता है। जो एक परतदार फैमिली ड्रामा के तौर पर शुरू हुआ था, वह अब धीरे-धीरे एक दिलचस्प लव स्टोरी में बदल रहा है, जिसमें रोमांस कहानी का केंद्रबिंदु बन गया है। इस बदलाव के केंद्र में पार्थ समथान माहिद के रूप में और ऋषिता कोठारी सहर के रूप में एक नई, जबरदस्त लीड जोड़ी है।

यह रोमांस इसलिए क्लिक होता है क्योंकि इसके दोनों लीड्स में जबरदस्त अंतर है। माहिद विशेषाधिकार का प्रतीक है, एक ताकतवर परिवार का वारिस, जिसकी बुनियाद अधिकार और भावनात्मक नियंत्रण पर बनी है। सहर दूसरी तरफ खड़ी है, जो उम्मीद, हिम्मत और डॉक्टर बनकर बेहतर भविष्य बनाने के सपने से प्रेरित है। वे हर तरह से एक-दूसरे से अलग हैं, फिर भी किस्मत उन्हें भावनात्मक ईमानदारी के पलों के जरिए एक साथ बुनना शुरू कर देती है। माहिद और सहर का रिश्ता चोरी-छिपे नजरों, हिचकिचाती बातचीत और उन खामोशियों से धीरे-धीरे बनता है जो शब्दों से ज्यादा बयां होती हैं। यह शांत, मासूम और इमोशनल रोमांस ही है जिसने दर्शकों के दिलों को छू लिया है, जो इस जोड़ी को पसंद कर रहे हैं और प्यार से उन्हें #टी१ नाम दिया है।

दर्शकों के जबरदस्त रिस्पॉन्स के बारे में बात करते हुए पार्थ समथान ने कहा, ह्लमाहिद ऐसा इंसान है जिसे नेतृत्व करने के लिए पाला गया है, महसूस करने के लिए नहीं। वह बहुत ज्यादा विशेषाधिकार वाले परिवार से आता है, लेकिन ऐसी जगह से भी जहाँ भावनात्मक कमजोरी को कभी बढ़ावा नहीं दिया गया। इस वजह से सहर के साथ उसका कनेक्शन प्रत्यक्ष दिखता नहीं है; यह सहज और बहुत अंदरूनी है। ऋषिता के साथ तुरंत आराम और भरोसा महसूस हुआ, जिससे हम उस भावनात्मक ईमानदारी को पर्दे पर उतार सके। हमारे कई सबसे शक्तिशाली पल डायलॉग से जुड़े नहीं हैं, बल्कि इस बारे में हैं कि माहिद और सहर अंदर ही अंदर क्या महसूस कर रहे हैं। यह बात कि दर्शक उन छोटी-छोटी बातों पर ध्यान दे रहे हैं और #टी१ को इतना जबरदस्त रिस्पॉन्स दे रहे हैं, मुझे बताती है कि दर्शक सच में इस रोमांस को पसंद कर रहे हैं ह्व

ऋषिता कोठारी ने आगे कहा, ह्लमाहिद की दुनिया में सहर ज्यादा नैतिक स्पष्टता लाती है - ऐसे गुण जिनकी वह हमेशा तारीफ करता था लेकिन कभी पूरी तरह से अपना नहीं पाया। उसके जरिए, माहिद अपने आस-पास और यहाँ तक कि अपने अंदर के पॉवर स्ट्रक्चर पर भी सवाल उठाना शुरू कर देता है। उनका रिश्ता उसे सॉफ्ट बनाता है; यह उसे अच्छे तरीके से बेचैन करता है। यही अंदरूनी बदलाव उनके रिश्ते को परतदार और बदलावकारी बनाता है। सहर पहली बार अपनी आवाज उठा रही है, और माहिद बिना उसे परिभाषित करने, कंट्रोल करने या बचाने की कोशिश किए, उसके लिए भावनात्मक सुरक्षा देता है। इस तरह का सपोर्ट बहुत कम मिलता है। पार्थ के साथ काम करने से यह डायनामिक बहुत ऑर्गेनिक हो जाता है क्योंकि वह हर सीन में बहुत ज्यादा सेंसिटिविटी लाता है। जब हम चुपचाप खड़े होते हैं, तब भी इमोशनल एक्सचेंज हो रहा होता है, और मुझे लगता है कि दर्शक इसी पर रिएक्ट कर रहे हैं ह्व

मौजूदा ट्रैक में माहिद और सहर की शादी की रस्में नए ट्विस्ट और टर्न के साथ होती हैं। तनाव बढ़ने और वफादारी की परीक्षा होने के साथ, #टी१ का भविष्य अधर में लटका हुआ है, जिससे दर्शक यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि आगे क्या होगा।

'सहर होने को है' हर सोमवार से शुक्रवार रात 10:00 बजे सिर्फ कलर्स पर देखें

पंजाब नेशनल बैंक वित्त वर्ष 2026 की तीसरी और 9 वीं तिमाही के लिए वित्तीय परिणाम

लखनऊ 19 जनवरी 2026: पंजाब नेशनल बैंक (ढठइ), देश के प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक, ने आज वित्त वर्ष 2026 की तीसरी और 9 वीं तिमाही के लिए वित्तीय परिणाम घोषित किए।

शुद्ध लाभ वर्ष-दर-वर्ष 13.1% बढ़कर वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में ₹5,100 करोड़ हो गया, जो वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में ₹4,508 करोड़ था। अस्तियों पर रिटर्न वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 1.03% से सुधरकर वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में 1.06% हो गया। परिचालन लाभ वर्ष-दर-वर्ष 13% बढ़कर वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में ₹.7,481 करोड़ हो गया, जो वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में ₹6,621 करोड़ था। सकल गैर-निष्पादित अस्तियां अनुपात दिसंबर'24 के 4.09% से वर्ष-दर-वर्ष 90 आधार अंक सुधरकर दिसंबर'25 में 3.19% हो गया। शुद्ध गैर-निष्पादित अस्तियां अनुपात दिसंबर'24 के 0.41% से वर्ष-दर-वर्ष 9 आधार अंक सुधरकर दिसंबर'25 में 0.32% हो गया। प्रावधान कवरेज अनुपात (टीडबाल्यूओ सहित) दिसंबर'24 के 96.77% से वर्ष-दर-वर्ष 22 आधार अंक सुधरकर दिसंबर'25 में 96.99% हो गया। प्रति शेयर बुक वैल्यू वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में ₹102.02 से बढ़कर वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में ₹114.09 हो गई, जो 11.83% की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दशार्ती है। प्रति शेयर आय वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में ₹3.92 से बढ़कर वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में ₹4.44 हो गई, जो 13.27%.की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दशार्ती है। वैश्विक कारोबार दिसंबर'24 के ₹26,39,991 करोड़ से वर्ष-दर-वर्ष 9.5% बढ़कर दिसंबर'25 में ₹28,91,528 करोड़ हो गया। वैश्विक जमा दिसंबर'24 के ₹15.30 लाख करोड़ से वर्ष-दर-वर्ष 8.5% की वृद्धि दर्ज करते हुए दिसंबर'25 में ₹16.60 लाख करोड़ हो गए। वैश्विक अग्रिम दिसंबर'24 के ₹11.10 लाख करोड़ से वर्ष-दर-वर्ष 10.9% बढ़कर दिसंबर'25 में ₹12.31 लाख करोड़ हो गए। रैम अग्रिम दिसंबर'24 के ₹5.96 लाख करोड़ से वर्ष-दर-वर्ष 11.0% बढ़कर दिसंबर'25 में ₹6.62 लाख करोड़ हो गए। सीडी अनुपात दिसंबर'24 में 72.6% की तुलना में दिसंबर'25 में 74.2% रहा। सीआरएआर दिसंबर'24 के 15.41% से सुधरकर दिसंबर'25 में 16.77% हो गया, जो 136 आधार अंकों की वृद्धि दशार्ता है बचत जमा वर्ष-दर-वर्ष 4.8% की वृद्धि दर्ज करते हुए ₹5,15,799 करोड़ हो गए। चालू जमा वर्ष-दर-वर्ष 9.1% की वृद्धि दर्ज करते हुए ₹76,377 करोड़ हो गए। कासा जमा वर्ष-दर-वर्ष 5.3%. की वृद्धि दर्ज करते हुए ₹5,92,176 करोड़ हो गए। बैंक का कासा शेयर दिसंबर'25 तक 37.1% रहा। कुल सावधि जमा दिसंबर'25 तक वर्ष-दर-वर्ष 10.4% की वृद्धि के साथ ₹10,68,114 करोड़ हो गए। अग्रिमः कोर खुदरा अग्रीम में दिसंबर 2025 तक बैंक में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 18.9% की वृद्धि हुई।

क्या भारत दे देगा $1 बिलियन ? ट्रंप के बोर्ड ऑफ पीस की इनसाइड स्टोरी

(जीएनएस)।

टैरिफ मुद्दे पर भारत के साथ रिश्तों में कड़वाहट के बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा में जारी संघर्ष खत्म करने के लिए बनाए गए हाई-प्रोफाइल 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होने के लिए दूसरे देशों के साथ भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी न्योता दिया है। यह खबर न केवल कूटनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय है, बल्कि इसने दुनिया को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या भारत अब मिडिल ईस्ट में सबसे बड़ा मध्यस्थ बन कर उभरेगा। जानिए इस महाशक्तिशाली बोर्ड में भारत की भूमिका और $1 बिलियन के योगदान की सच्चाई।

क्या है ट्रंप का 'बोर्ड ऑफ पीस' प्रस्ताव ?

राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने 20-सूत्रीय पीस रोडमैप के तहत एक अंतरराष्ट्रीय निगरानी समिति बनाने का सुझाव दिया है। यह बोर्ड गाजा में युद्धविराम लागू करवाने, मानवीय सहायता सुनिश्चित करने और युद्ध के बाद गाजा के पुनर्निर्माण की निगरानी करेगा। खास बात यह है कि ट्रंप ने इस बोर्ड के लिए दुनिया के उन चुनिंदा नेताओं को चुना है, जिनका प्रभाव दोनों पक्षों (इजराइल और अरब देशों) पर समान रूप से है। भारत के अलावा इस सूची में रूस के राष्ट्रपति पुतिन और पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ का नाम भी शामिल है।

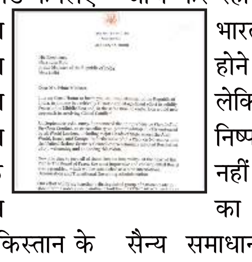

भारत के विदेश मंत्रालय ने इस प्रस्ताव पर बेहद सधा हुआ रुख अपनाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप के विजन की सराहना करते हुए इसे "स्थायी शांति का मार्ग" बताया है। भारत की नीति हमेशा से 'टू-स्टेट सॉल्यूशन' की रही है, जहां इजराइल और फिलिस्तीन दोनों शांति से रह सकें।

भारतीय विदेश मंत्रालय इस समय इस न्योते के तकनीकी पहलुओं की जांच कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक, भारत इस बोर्ड में शामिल होने के लिए तैयार है, लेकिन वह अपनी शर्तों और निष्पक्षता पर कोई समझौता नहीं करना चाहता। भारत का मानना है कि केवल सैन्य समाधान से शांति नहीं आ सकती, इसके लिए आर्थिक निवेश और भरोसे की जरूरत है।

भारत के लिए क्यों महत्वपूर्ण है यह भूमिका?

ग्लोबल साउथ की आवाजः भारत खुद को विकासशील देशों के नेता के रूप में देखता है। इस बोर्ड में शामिल होकर भारत अरब देशों और पश्चिमी देशों के बीच एक पुल का काम कर सकता है।

ऊर्जा सुरक्षाः पश्चिम एशिया से भारत का तेल और गैस आयात जुड़ा है। वहां शांति रहने से भारत की अर्थव्यवस्था को स्थिरता मिलती है।

पुनर्निर्माण में अवसरः गाजा के पुनर्निर्माण के लिए अरबों डॉलर का निवेश होगा। भारतीय इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों के लिए यह एक बड़ा मौका साबित हो सकता है।

यूएस भारत को 'नेट सिक्योरिटी प्रोवाइडर' मानता है

कूटनीतिक विशेषज्ञः विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप का मोदी को बुलाना यह दशार्ता है कि अमेरिका अब भारत को केवल दक्षिण एशिया तक सीमित नहीं देखता, बल्कि उसे एक वैश्विक 'नेट सिक्योरिटी प्रोवाइडर' मानता है।

'रिंकू सिंह जिहादी मानसिकता के,' विवादों में घिरे भारतीय खिलाड़ी की बढ़ी मुश्किलें

(जीएनएस)।

भारतीय क्रिकेट के उभरते हुए सितारे रिंकू सिंह एक बड़े विवाद में फंस गए हैं। टी20 वर्ल्ड कप और न्यूजीलैंड सीरीज से ठीक पहले रिंकू सिंह के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। करणी सेना ने उन पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने और 'जिहादी मानसिकता' रखने का गंभीर आरोप लगाया है। पूरा विवाद रिंकू सिंह के फेसबुक अकाउंट से शेयर किए गए एक अक-जेनरेटेड वीडियो को लेकर शुरू हुआ है।

विवादित वीडियो में रिंकू सिंह को छक्के मारते हुए दिखाया गया है, जिसके बाद हिंदू देवी-देवताओं (भगवान विष्णु, शिव और गणेश) की अक तस्वीरें दिखाई देती हैं। इन तस्वीरों में देवताओं को चश्मा पहने और एक कार (थार) में बैठे दिखाया गया है, जिसे भगवान हनुमान चला रहे हैं।

वीडियो का मकसद यह दिखाना था कि रिंकू की सफलता भगवान के आशीर्वाद से है, लेकिन करणी सेना ने इसे देवताओं का अपमान करार दिया है। करणी सेना के जिला अध्यक्ष सुमित तोमर ने रिंकू सिंह की तुलना कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) के मालिक शाहरुख खान से करते हुए कहा कि रिंकू ने अपनी 'असली मानसिकता' दिखा दी है। यहां तक की रिंकू को जिहादी मानसिकता वाला इंसान बता दिया।

रिपोर्ट्स के अनुसार तोमर ने कहा, "हमारे आराध्य देवों को चश्मा पहनाकर अंग्रेजी गानों पर नचाना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। रिंकू सिंह को सनातन धर्म से सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए।" अलीगढ़ के सासनी गेट थाने में इस मामले की शिकायत दर्ज कराई गई है।

फिलहाल पुलिस वीडियो की सत्यता और इसे पोस्ट करने वाले व्यक्ति की जांच कर रही है। रिंकू सिंह इस समय नागपुर में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज की तैयारियों में जुटे हैं। उनके फैंस का मानना है कि यह वीडियो किसी ने उन्हें बदनाम करने के लिए बनाया है या उन्होंने अनजाने में इसे श्रद्धा भाव से शेयर किया होगा।

रिंकू सिंह जानबूझकर किसी विवाद का हिस्सा नहीं बनते हैं, उनका पूरा ध्यान गेम पर है। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के बाद टीम इंडिया को टी20 वर्ल्ड कप में भी खेलना है।

ठाकरे बंधुओं से दूर हो रहे हैं शिव सेना के परंपरागत मतदाता

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र में विगत दिनों संपन्न हुए स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा 29 में से 17 नगरनिगमों में अकेले अपने दम पर बहुमत हासिल करने में सफल रही है जबकि 8 नगर निगमों में भाजपा नीत महायुति ने बहुमत हासिल किया है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के गठबंधन को इन चुनावों में मिली करारी हार ने सदमे की स्थिति में पहुंचा दिया है।

ये चुनाव परिणाम मुंबई महानगर पालिका में तीस साल से चले आ रहे अविभाजित शिवसेना के वर्चस्व के अंत का संदेश लेकर आए हैं। गौरतलब है कि भाजपा ने मुंबई महानगर पालिका की 227 सीटो में से 89 सीटों पर जीत हासिल कर इतिहास रच दिया है।

सत्तारूढ़ महायुति में भाजपा की सहयोगी शिवसेना (शिंदे गुट)29 सीटें जीतकर दूसरे स्थान पर रही जबकि उद्धव ठाकरे की शिवसेना 65 सीटों पर सिमट कर तीसरे स्थान पर आ गई। सबसे शोचनीय स्थिति का सामना उसकी सहयोगी राज ठाकरे की महाराष्ट्र सेना को करना पड़ा जिसे मात्र 6 सीटों पर जीत का स्वाद चखने का मौका मिला।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के दूरदर्शी नेतृत्व में पश्चिम रेलवे पर प्रमुख 'कवच' सुरक्षा कार्य प्रस्तावित

मुंबई,

रेल संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा उन्नत तकनीकों को अपनाने की दिशा में, माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व में, भारतीय रेल की अम्ब्रेला वर्क 2024-25 के अंतर्गत पश्चिम रेलवे पर ड़अश्अउल्ल ट्रेन टक्कर रोधी प्रणाली के कार्यान्वयन हेतु दो महत्वपूर्ण मदवार (ङ्ग्रशरी) कार्य प्रस्तावित किए गए हैं।

विचाराधीन इस प्रस्ताव की कुल अनुमानित लागत ₹483.65 करोड़ है, जिसमें निम्नलिखित कार्य शामिल हैं—

उधना–जलगांव खंड (307 रूट किलोमीटर) पर KAVACH की व्यवस्था

इस महत्वपूर्ण खंड पर KAVACH प्रणाली की स्थापना हेतु ₹109.83 करोड़ की लागत प्रस्तावित की गई है, जिससे परिचालन सुरक्षा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

पश्चिम रेलवे के 436 इंजनों में संशोधन, उन्नयन एवं प्रोग्रामिंग कार्य

KAVACH प्रणाली के सुचारु एवं प्रभावी संचालन को सुनिश्चित करने के लिए पश्चिम रेलवे के 436 मौजूदा इंजनों में आवश्यक संशोधन, उन्नयन एवं प्रोग्रामिंग हेतु ₹373.82 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।

ये दोनों कार्य भारतीय रेल की व्यापक अम्ब्रेला परियोजना ह्भारतीय रेल के शेष मार्गों पर दीर्घकालिक विकास (LTE) संचार बैकबोन के साथ KAVACH की व्यवस्था का हिस्सा हैं, जिसे कार्य, मशीनरी एवं रोलिंग स्टॉक कार्यक्रम 2024-25 के अंतर्गत ₹27,693 करोड़ (PH–33) की लागत से स्वीकृति प्रदान की गई है।

इस अम्ब्रेला परियोजना के अंतर्गत पश्चिम रेलवे के लिए ₹2,800 करोड़ की उप–अम्ब्रेला राशि स्वीकृत की गई है।

प्रस्तावित पहलें भारतीय रेल की रेल संरक्षा ढांचे को सुदृढ़ करने तथा आधुनिक सुरक्षा प्रणालियों के तीव्र कार्यान्वयन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं, जो माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के मार्गदर्शन एवं दृष्टिकोण के अनुरूप है।

भावनगर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक ने टिकट जांच में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 13 कर्मचारियों को किया सम्मानित

पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल में टिकट जांच के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 13 कर्मचारियों को मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा द्वारा नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मंडल के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

इस संबंध में भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि भावनगर मंडल के टिकट जांच कर्मी अत्यंत जिम्मेदारी एवं निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। ये कर्मी न केवल यात्रियों की यात्रा को सुगम बनाने में सहायक हैं, बल्कि रेलवे की आय वृद्धि में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

उन्होंने जानकारी दी कि भावनगर मंडल द्वारा अप्रैल 2025 से दिसंबर 2025 की अवधि के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ₹5.09 करोड़ की आय अर्जित की गई है, जबकि मात्र अप्रैल 2025 माह में ही ₹77.23 लाख की आय दर्ज की गई है।

मंडल रेल प्रबंधक द्वारा सम्मानित किए गए कर्मचारियों के नाम इस प्रकार हैं–श्री आई. बी. मुंशी (आरक्षण पर्यवेक्षक, गांधीग्राम), श्री ध्रुव अमीन (सीनियर सीसी/टीसी, गांधीग्राम), श्री योगेन्द्र सिंह (सीसी/टीसी, जूनागढ़), श्री आर. एम. चौहान (मुख्य वाणिज्य लिपिक, भावनगर), श्री वी. एन. जडेजा (आरक्षण पर्यवेक्षक, जूनागढ़), श्री शैलेष बी. परमार (उप मुख्य टिकट निरीक्षक, गांधीग्राम), श्री अरविंद कुमार गुर्जर (उप मुख्य टिकट निरीक्षक, वेरावल), श्री के. सी. मीणा (मुख्य टिकट निरीक्षक, गांधीग्राम), श्री प्रेम चंद (सीनियर सीसी/टीसी, गांधीग्राम), श्री राजन कुमार सिंह (मुख्य टिकट निरीक्षक, वेरावल), श्री आर. पी. मेघवंशी (मुख्य टिकट संग्राहक, बोटाद), श्री जे. पी. मकवाना (मुख्य टिकट निरीक्षक, बोटाद) एवं श्री अमोद कुमार (सीसी/टीसी, बोटाद)।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा ने सभी सम्मानित कर्मचारियों के कार्यों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

ग्राम रघुनाथपुर में उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं पंचायत भवन का किया निरीक्षण

जिलाधिकारी ने ग्राम विकास अधिकारी को निलम्बित करने के निर्देश

कौशाम्बी। (जीएनएस)। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज विकास खण्ड सिराथू की ग्राम रघुनाथपुर में उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं पंचायत भवन का निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी ने उच्च प्राथमिक विद्यालय के निरीक्षण के दौरान विद्यालय के बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कार्य अधूरा पाए जाने एवं गेट लगा न पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए खण्ड विकास अधिकारी को गेट लगवाने एवं बाउण्ड्रीवाल का कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालय के शौचालय की साफ–सफाई की स्थिति ठीक न पाए जाने पर प्रधानाचार्य व ग्राम प्रधान को शौचालय की साफ–सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने प्रधानाध्यापक से नामांकित बच्चां की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि बच्चों की उपस्थिति और बढ़ाया जाय। शिक्षा की गुणवत्ता पर ध्यान दिया जाय एवं बच्चों को मानक के अनुरूप मध्यान्ह भोजन प्रदान किया जाय। उन्होने कक्षा में निपुण तालिका लगी न पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रधानाध्यापक को निपुण तालिक लगाने के साथ ही तालिका अपडेट रखने के निर्देश दिए। उन्होने विद्यालय परिसर में स्थित ऑगनबाड़ी केन्द्र में पोषाहार का वितरण न पाए जाने एवं इ.सी.सी.ई. का उपयोग न पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए सी.डी.पी.ओ. को सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने एवं पोषाहार का वितरण समयबद्ध कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने पंचायत भवन के निरीक्षण के दौरान पंचायत भवन जर्जर अवस्था में पाए जाने पर खण्ड विकास अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने खण्ड विकास अधिकारी को गॉव की नालियों एवं गांव में साफ–सफाई की बेहतर व्यवस्था तथा सभी आधारभूत सुविधाएं सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्कूल के बाउण्ड्रीवाल का कार्य अधूरा व गेट न लगाने, सामुदायिक शौचालय की साफ–सफाई की स्थिति ठीक न पाए जाने आदि कार्य में लापरवाही पाए जाने पर ग्राम विकास अधिकारी विनय कुमार चौधरी को निलम्बित करने के निर्देश दिए। उन्होंने 03 सदस्यीय–परियोजना निदेशक, अधिशासी अभियंता लो.नि.वि. एवं सहायक वित्त व लेखाधिकारी बेसिक की टीम गठित कर जॉच कराने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर खण्ड विकास अधिकारी सिराथू भावेश शुक्ला सहित अन्य लोग उपस्थित रहें।

21 जनवरी को विकास खंड सिराथू में रोजगार मेले का होगा आयोजन

कौशाम्बी । (जीएनएस)। शिक्षित अभ्यर्थियो को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ब्लाक स्तर पर जिला सेवायोजन कार्यालय, राजकीय आई0टी0आई0 एवं कौशल विकास मिशन के संयुक्त तत्वाधान में आज ब्लाक परिसर कडा में एक दिवसीय अप्रेण्टिसशिप/रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसमें निजी क्षेत्र की 02 कंपनियों ने चयन की कार्यवाही करते हुए एस0आई0एस0 सिक्योरिटी लि0 ने 02 चयन तथा कृष्णा मारूति ने 18 चयन किये। रोजगार मेले में जिला सेवायोजन कार्यालय से विनोद कुमारसिंह, कौशल विकास मिशन के ब्लाक प्रबंधक प्रतीक अवस्थी, जनशिक्षण संस्थान से राजू शुक्ला एवं ब्लॉक कडा के स्टाफ उपस्थित रहें।

इसके साथ ही दिनांक–21 जनवरी, 2026, दिन बुधवार को ब्लाक परिसर सिराथू में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेले में हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, स्नातक, स्नातकोत्तर, आई0टी0आई0, डिप्लोमा एवं कौशल प्रशिक्षण प्राप्त सभी प्रकार के इच्छुक अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकतें हैं।

86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन (AIPOC) का लखनऊ में उद्घाटन; लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने किया संबोधित

सम्मेलन के सफल आयोजन हेतु प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दिया शुभकामना संदेश

पीठासीन अधिकारी का आचरण दलगत राजनीति से हटकर पूर्णतः न्यायपूर्ण होना चाहिए, तथा न्यायपूर्ण दिखना भी चाहिए: लोक सभा अध्यक्ष

राज्य विधानसभाओं की कार्यवाही के लिए एक निश्चित एवं पर्याप्त समय सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है: लोक सभा अध्यक्ष

सदन जितना अधिक चलेगा, उतनी ही अधिक सार्थक, गंभीर और परिणामोन्मुख चर्चा संभव होगी: लोक सभा अध्यक्ष

लखनऊ। (जीएनएस)। 86वां अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन (अक्ढडउ) आज उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में प्रारंभ हुआ। तीन दिवसीय इस सम्मेलन का उद्घाटन उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने किया।

लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य संबोधन दिया। सम्मेलन में 28 राज्यों, 3 केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं तथा 6 विधान परिषदों के पीठासीन अधिकारी सहभागिता कर रहे हैं। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष श्री सतीश महाना ने सम्मेलन में शामिल सभी पीठासीन अधिकारियों के लिए

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का शुभकामना संदेश पढ़ा।

अपने उद्बोधन में लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने कहा कि पीठासीन अधिकारी चाहे जिस भी राजनीतिक दल से आते हो, उनका आचरण दलगत राजनीति से हटकर पूर्णतः न्यायपूर्ण एवं निष्पक्ष होना चाहिए तथा न्यायपूर्ण व निष्पक्ष दिखना भी चाहिए।

अपने संबोधन में लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने कहा कि विधायिका के माध्यम से जनता की आकांक्षाएं और आवाज शासन तक पहुँचती है, तथा उनका समाधान होता है। ऐसे में राज्य विधानमंडलों की कार्यवाही का घटता समय सभी के लिए चिंताजनक है। श्री बिरला ने राज्य विधानमंडलों की कार्यवाही के लिए निश्चित एवं पर्याप्त समय सुनिश्चित करने पर बल देते हुए कहा कि सदन जितना अधिक चलेगा, उतनी ही अधिक सार्थक, गंभीर और परिणामोन्मुख चर्चा संभव होगी।

श्री बिरला ने कहा कि आधुनिक सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी और सोशल मीडिया के युग में जनप्रतिनिधियों के प्रत्येक आचरण पर जनता की दृष्टि रहती है, इसलिए संसदीय शिष्टाचार और अनुशासन का पालन और भी अधिक आवश्यक हो गया है। उन्होंने कहा कि आज तकनीक के युग में जब चारों तरफ से सूचना का प्रवाह होता है, तब सदन की प्रामाणिकता बनाए रखना, हम सभी की महती ज़िम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन जैसे मंच लोकतांत्रिक संस्थाओं के बीच सहयोग को बढ़ाते हैं, आपसी समन्वय को मजबूत करते हैं और शासन व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाते हैं। इन सम्मेलनों से देशभर में नीतियों और कल्याणकारी उपायों में सामंजस्य स्थापित करने में भी सहायता मिलती है।

श्री बिरला ने कहा कि पीठासीन अधिकारियों के रूप में यह हमारा कर्तव्य है कि सदन में सभी सदस्यों, विशेषकर नए और युवा सदस्यों को पर्याप्त अवसर प्रदान किए जाएं, ताकि विधानमंडल जनता की समस्याओं को उठाने का सबसे प्रभावी मंच बना रहे।

तीन दिवसीय इस सम्मेलन में आगामी दो दिन पूर्ण सत्रों में विधायी प्रक्रियाओं में तकनीक का उपयोग, विधायकों का क्षमता–निर्माण तथा जनता के प्रति विधायिका की जवाबदेही जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

यह चौथी बार है जब उत्तर प्रदेश इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। इससे पूर्व राज्य में दिसंबर 1961, अक्तूबर 1985 तथा जनवरी–फरवरी 2015 में इस सम्मेलन का आयोजन किया जा चुका है।

86वां अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन 21 जनवरी, 2026 को संपन्न होगा। इस अवसर पर लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला समापन सत्र को संबोधित करेंगे। सम्मेलन के उपरांत श्री बिरला मीडिया को संबोधित करते हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस भी करेंगे।

ऐतिहासिक धरोहर पर प्रहार के खिलाफ कांग्रेस का हल्ला बोल

मणिकर्णिका घाट ध्वस्तीकरण को लेकर राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

कौशाम्बी। (जीएनएस)। भाजपा सरकार द्वारा ऐतिहासिक धरोहरों को निशाना बनाए जाने के विरोध में कांग्रेस ने जोरदार आंदोलन छेड़ दिया है। शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर जनपद कौशाम्बी में कांग्रेस जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय के नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेस कार्यकताओं व पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर महामहिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा।

कांग्रेस कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि 10 जनवरी 2026 को भाजपा सरकार ने ऐतिहासिक मणिकर्णिका घाट को ध्वस्त कराकर देश की सांस्कृतिक विरासत को गहरी चोट पहुंचाई है। उल्लेखनीय है कि इस घाट का जीर्णोद्धार वर्ष 1971 में माता अहिल्याबाई होलकर द्वारा कराया गया था, जो भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा की अमूल्य धरोहर है।

जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने कहा कि भाजपा सरकार सत्ता के अहंकार में ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों को नष्ट कर रही है। कांग्रेस इस अन्याय को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी और जरूरत पड़ी तो सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी।

ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि मणिकर्णिका घाट का तत्काल पुनर्निर्माण कराया जाए तथा दोषी अधिकारियों व जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

इस अवसर पर मोहम्मद अकरम, दीपक पांडे, सम्मू जाफरी, सचिन पांडे, रावत, शशि मिश्रा, संगीता कोरी सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ऐतिहासिक धरोहर पर प्रहार के खिलाफ कांग्रेस का हल्ला बोल

मणिकर्णिका घाट ध्वस्तीकरण को लेकर राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

कौशाम्बी। (जीएनएस)। भाजपा सरकार द्वारा ऐतिहासिक धरोहरों को निशाना बनाए जाने के विरोध में कांग्रेस ने जोरदार आंदोलन छेड़ दिया है। शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर जनपद कौशाम्बी में कांग्रेस जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय के नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेस कार्यकताओं व पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर महामहिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा।

कांग्रेस कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि 10 जनवरी 2026 को भाजपा सरकार ने ऐतिहासिक मणिकर्णिका घाट को ध्वस्त कराकर देश की सांस्कृतिक विरासत को गहरी चोट पहुंचाई है। उल्लेखनीय है कि इस घाट का जीर्णोद्धार वर्ष 1971 में माता अहिल्याबाई होलकर द्वारा कराया गया था, जो भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा की अमूल्य धरोहर है।

जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने कहा कि भाजपा सरकार सत्ता के अहंकार में ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों को नष्ट कर रही है। कांग्रेस इस अन्याय को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी और जरूरत पड़ी तो सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी।

ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि मणिकर्णिका घाट का तत्काल पुनर्निर्माण कराया जाए तथा दोषी अधिकारियों व जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

इस अवसर पर मोहम्मद अकरम, दीपक पांडे, सम्मू जाफरी, सचिन पांडे, रावत, शशि मिश्रा, संगीता कोरी सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गुजरात में बढ़ रहा आप का ग्राफ, कांग्रेस को पछाड़कर आम आदमी पार्टी बनी दूसरी ताकत

(जीएनएस)।

गुजरात में आम आदमी पार्टी का ग्राफ तेजी से बढ़ता दिख रहा है। हालिया सर्वे में ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस को पछाड़कर आप प्रदेश की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनने जा रही है ह्रीढ्श्रीं और उक्क्ष् की ओर से "ढ४'री ङ्गा ॠ्१ं३ 2026" सर्वे के आंकड़े इसका संकेत देते हैं। सर्वे के संकेतों से लगता है कि गुजरात की राजनीति अब भाजपा बनाम आम आदमी पार्टी की दिशा में बढ़ रही है। कांग्रेस लगातार कमजोर होती जा रही है।

सर्वे के मुताबिक गुजरात में आम आदमी पार्टी का वोट शेयर 24.8 प्रतिशत तक पहुंच गया है। कांग्रेस का वोट शेयर गिरकर 17.3 प्रतिशत रह गया है। आम आदमी पार्टी अब कांग्रेस को पीछे छोड़कर गुजरात की दूसरी सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी है।

– भाजपा अभी भी करीब 49.5 प्रतिशत वोट शेयर के साथ आगे है, लेकिन अब उसे सीधी चुनौती कांग्रेस की बजाय आम आदमी पार्टी से मिलती हुई दिख रही है।

– अगर 2022 के विधानसभा चुनाव से तुलना की जाए तो बदलाव और स्पष्ट हो जाता है। 2022 में कांग्रेस को लगभग 27 प्रतिशत वोट मिले थे, जो 2017 के 40 प्रतिशत के मुकाबले पहले ही काफी बड़ी गिरावट थी।

– अब तीन साल बाद स्थिति यह है कि कांग्रेस का वोट शेयर करीब 10 प्रतिशत और गिर गया है। आम आदमी पार्टी 2022 में पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ते हुए करीब 13 प्रतिशत वोट शेयर तक पहुंची थी।

– तीन साल में आम आदमी पार्टी का वोट शेयर लगभग दोगुना हो चुका है। यह साफ संकेत है कि कांग्रेस का पारंपरिक वोट अब बड़ी संख्या में आम आदमी पार्टी की ओर शिफ्ट हो रहा है।

अअढ का प्रभाव हर क्षेत्र में बढ़ रहा

क्षेत्रीय आंकड़े भी यही कहानी कहते हैं। सौराष्ट्र–कच्छ जैसे इलाकों में, जहां भाजपा को कुछ नुकसान की आशंका जताई जा रही है। आम आदमी पार्टी तेजी से अपनी पकड़ बना रही है। उत्तर और मध्य गुजरात में भाजपा अब भी आगे है, लेकिन शहरी और मेट्रो इलाकों में आम आदमी पार्टी को कांग्रेस से कहीं ज्यादा समर्थन मिल रहा है। शहरी गुजरात में आप (अअढ) को अब दूसरी पसंद नहीं, बल्कि सीधी चुनौती देने वाली पार्टी के रूप में देखा जा रहा है।

अहमदाबाद में हुआ आम आदमी पार्टी का बड़ा सम्मेलन

अहमदाबाद में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं का बड़ा सम्मेलन हुआ। इस सम्मेलन में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अब गुजरात की जनता के मन से डर निकल चुका है।

उन्नाव में कांग्रेस ने पीएम मोदी के खिलाफ ज्ञापन सौंपा:हनुमान जी को पतंग में दिखाने पर जताया विरोध

कांग्रेस ने पीएम मोदी के खिलाफ ज्ञापन सौंपा।

उन्नाव (जीएनएस)। कांग्रेस कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ एसडीएम सदर को एक ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित पतंग महोत्सव के दौरान हनुमान जी के स्वरूप को पतंग के रूप में प्रदर्शित करने के विरोध में दिया गया। कांग्रेस का आरोप है कि इस कृत्य से करोड़ों सनातन धर्मावलंबियों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

ज्ञापन में बताया गया कि प्रधानमंत्री मोदी ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में भगवान हनुमान के स्वरूप को पतंग के रूप में उड़ाया था। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि श्री हनुमान जी करोड़ों देशवासियों की आस्था, श्रद्धा और विश्वास के केंद्र हैं। उनके स्वरूप को सार्वजनिक मनोरंजन का विषय बनाना हिंदू एवं सनातन धर्म की आस्था का अपमान है।

इस घटना को लेकर देशभर में रोष व्याप्त है और जनभावनाएं आहत हुई हैं। कांग्रेस ने कहा कि एक संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति से समाज की धार्मिक आस्थाओं के प्रति संवेदनशीलता की अपेक्षा की जाती है।

कांग्रेस कार्यकताओं ने मांग की है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस कृत्य के लिए सार्वजनिक रूप से बिना शर्त तत्काल क्षमा याचना करें। यदि वे क्षमा मांगने से इनकार करते हैं, तो संवैधानिक मयार्दाओं की रक्षा हेतु उनसे पद से इस्तीफा लिया जाए।

इसके अतिरिक्त, भविष्य में किसी भी धर्म या आस्था के प्रतीकों के प्रति ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए आवश्यक निर्देश जारी करने की भी मांग की गई। ज्ञापन के अंत में प्रशासन से जन–आस्था और संवैधानिक गरिमा की रक्षा हेतु उचित कार्रवाई करने का विश्वास व्यक्त किया गया।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को आजीवन कारावास और 52 हजार के अर्थदंड की मिली सजा

मथुरा (जीएनएस)। विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट न्यायालय के न्यायधीश संतोष कुमार त्रिपाठी की अदालत ने सोमवार को नाबालिग से बलात्कार के आरोप में अभियुक्त को आजीवन कारावास और 55 हजार रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई है। इस केस की सरकार की ओर से पैरवी कर रहीं स्पेशल डीजीसी पॉक्सो कोर्ट श्रीमती अलका उपमन्यु एडवोकेट ने बताया कि थाना फरह में अभियुक्त अजय उर्फ मरुआ के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। कहा कि थाना फरह क्षेत्र में रहने वाली एक किशोरी के साथ यह घटना घटित हुई थी। बताया कि पीड़ित किशोरी की मां ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि उसकी 14 वर्षीय बेटी की तबीयत खराब थी, उसने जब चिकित्सक को उसे दिखाया तो उनके पैरों से जमीन खिसक गई, क्योंकि पीड़िता की पुत्री गर्भवती थी। जब पुत्री से उन्होंने पूछा तो वह डरी हुई थी, फिर उसने बताया कि गांव का ही अजय उर्फ मरुआ पिछले कई महीने से उसके साथ गलत काम कर रहा है। इसके बाद पीड़िता के माता-पिता, आरोपी अजय उर्फ मरुआ के पास गए तो उसने कहा कि दो चार हजार रूपए ले लो और बेटी के पेट की सफाई करा दें।उन्होंने और कुछ और कहना चाहा तो आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भगा दिया था। पीड़िता की मां ने आरोपी के खिलाफ थाना फरह में तहरीर दी तो पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया था।

स्पेशल डीजीसी पॉक्सो कोर्ट श्रीमती अलका उपमन्यु एडवोकेट केस की जानकारी देते हुए।

इसके बाद पुलिस ने किशोरी का मेडिकल परीक्षण कराया। मेडीकल परीक्षण में किशोरी के साथ दुष्कर्म करने की पुष्टि हुई। वहीं पीड़ित किशोरी ने अपने बयानों में आरोपों की पुष्टी की थी। उन्होंने बताया कि सोमवार को विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट न्यायालय के न्यायधीश संतोष कुमार त्रिपाठी ने सुनवाई करते हुए अभियुक्त अजय उर्फ मरुआ को धारा 376 आईपीसी समकक्ष धारा लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधि. 2012 की धारा-6 के अपराध में आईपीसी का अपराध करने पर आजीवन कारावास, इसका अभिप्राय प्राकृत जीवनकाल के लिए है, के दंड से दंडित किया गया। इसी के साथ अभियुक्त पर 50 हजार रूपए का अर्थदंड भी लगाया है। बताया कि अर्थदंड जमा न करने पर आरोपी को 1 वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतान पड़ेगा। अभियुक्त मरुआ को धारा 506 में 2 वर्ष के सक्षम कारावास और 5 हजार के अर्थदंड से दंडित किया है। इसी के साथ पॉक्सो अधि. 2012 की धारा-4 में आजीवन कारावास (उसके शेष प्राकृत जीवनकाल तक)

ब्रह्माकुमारी संस्था के संस्थापक ब्रह्मा बाबा की 57-वीं पुण्यतिथि विश्व शांति दिवस के रूप मे मनाई

मथुरा (जीएनएस)। ब्रहमाकुमारी संस्था के स्थानीय सेवाकेद्र रिफाइनरी नगर में संस्था के साकार संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा की 57-वीं पुण्यतिथि विश्व शांति दिवस के रूप मे विविध आयोजनो के साथ मनाई गई। इस अवसर पर सेवा केंद्र पर विशेष मौन तपस्या और ब्रह्मा भोजन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेवा केंद्र प्रभारी राजयोगिनी बी.के कृष्ण दीदी ने मानवीय मूल्यों की कमी को सामाजिक पतन का मूल कारण बताते हुए कहा कि ब्रह्मा बाबा का जीवन मानवीय मूल्यों के उत्थान एवं विश्व शांति की स्थापना के लिए समर्पित रहा। कहा कि ब्रह्मा बाबा का जीवन त्याग, तप, करुणा, दिव्यता और पवित्रता रूपी गुणों से सम्पन्न होकर

नारियों को मातृशक्ति के रूप मे स्थापित किया। वहीं डा. करुणा बहन ने बताया कि ब्रह्मा बाबा ने भाषा, रंग रूप और धर्म आदि अनेक भेदों से ऊपर उठ कर नैतिक आदर्श, संयमित और संतुलित जीवन के द्वारा जन-जन मे आध्यात्मिक जाग्रति लाने का भागीरथ कार्य किया। परमात्मशक्ति पर अटूट निश्चय और सम्पूर्ण समर्पण की भावना ने ही आज संस्था को कोमल पौधे से विशालवटवृक्ष के मुकाम पर पहुंचाया है। इस अवसर पर पूर्व क्षेत्रीय विधायक ठा. कारिंदा सिंह ने संस्था के मुख्यालय माउंट आबू में अपने प्रवास के अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि संस्था वैश्विक स्तर पर, विश्व के लगभग 145 देशों में भारत की पुरातन संस्कृति और राजयोग की शिक्षा देकर भारत को पुनः विश्व गुरु बनाने की दिशा मे सराहनीय कार्य कर रही है। इस मौके पर मथुरा रिफाइनरी में जनरल मैनेजर डीसी वर्मा ने अपने सम्बोधन में मेडीटेशन को अपनी दिनचर्या का अभिन्न अंग बनाने पर विशेष जोर दिया। उन्होने बताया कि चाहे कॉरपोरेट जगत की उथापुथल हो या स्टूडेंट लाइफ का तनाव, हर क्षेत्र मे मेडीटेशन का अभ्यास वैज्ञानिक रूप से कारगर है। इस आयोजन मे मथुरा रिफाइनरी के जीएम कौशलेन्द्र कुमार, मथुरा के विशिष्ट गणमान्यनों और सुदूर ग्रामीण अंचलो से पहुंचे राजयोग के साधकों ने बड़ी संख्या मे सहभागिता की। इस अवसर पर मंच संचालन बी.के मनोज ने किया।इसी के साथ आयोजन को सफल बनाने में बी.के पूजा मनोहर, दामोदर, कमल, उमेश, सुखवीर, लाल सिंह, श्याम, हरिओम, देशवीर, आलोक, नीलम, बसंती, नीतू, सरिता, मीनाक्षी, रजनी और दामिनी आदि का विशेष सहयोग रहा।

हाईवे पुलिस ने दबोचे साइबर गैंग के पांच शातिर बदमाश : लाखों रूपए, मोबाइल और डेबिट कार्ड बरामद

-फरार गैंग सरगना को पकड़ने के लिए पुलिस दे रही दबिशें

मथुरा (जीएनएस)। थाना हाईवे क्षेत्र स्थित भरतपुर रोड़ से पुलिस ने पांच शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पकड़े गए शातिर भोले-भाले लोगों को ठगा का शिकार बना रहे थे। इस संबंध में जानकारी देते हुए सीओ रिफाइनरी अनिल कपरवान ने बताया कि एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देशन एवं एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में साइबर अपराधियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसीक्रम में थाना प्रभारी हाईवे शैलेन्द्र सिंह और चौकी प्रभारी तारसी नितिन राठी पुलिस टीम के साथ साइबर अपराधियों की तलाश में सुराग तलाश रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि भोले-भाले लोगों को ठगी का शिकार बनाने वाले साइबर अपराधी भरतपुर रोड़ स्थित लक्ष्मी गार्डन के पास ठगी के रूपयों का बंटवारा कर रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी

शैलेन्द्र सिंह और चौकी प्रभारी नितिन राठी पुलिस टीम में एसआई सौरभ तेवतिया, एएसआई सूरज कुमार, मुख्य आरक्षी प्रदीप कुमार, रविन्द्र कुमार, मोहित शर्मा और पवन सिंह आदि के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखकर ठगी के रूपयों का बंटवारा कर रहे साइबर अपराधी भागने लगे। पुलिस टीम ने भागने का प्रयास कर रहे साइबर गैंग के सक्रिय सदस्य सचिन कुमार पुत्र गटुआ निवासी शिवपुरी कॉलोनी गणेशबाग थाना राया और उसकी साथी सतेन्द्र पुत्र स्व. हरस्वरुप निवासी गांव होल्ला थाना राया, संजय पुत्र सतीश निवासी गांव लालपुर थाना इगलास जनपद अलीगढ़, हसीब पुत्र समीम खां निवासी बिहोई थाना इगलास जिला अलीगढ़ और सुखवीर पुत्र सतवीर निवासी तेहरा थाना इगलास जिला अलीगढ़ को घेराबंदी करके दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए शातिरों के कब्जे से भोले-भाले लोगों से ऑनलाइन ठगे गए 4 लाख 6 हजार 2 सौ 20 रूपए, घटना में प्रयुक्त 7 मोबाइल और 6 डेबिट कार्ड बरामद किए हैं। सीओ अनिल कपरवान ने बताया कि पकड़े गए शातिरों के बैंक खातों पर एनसीआरपी पोर्टल पर करीब 16 शिकायतें दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि पकड़े गए साइबर अपराधियों से पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि गैंग सरगना सचिन पुत्र योगेन्द्र सिंह निवासी तिरवाया थाना राया ने उनसे विभिन्न बैकों में खाते खुलवाने के बाद उनसे पासबुक और सिम, निकलवाकर ले लेता था। गैंग सरगना बैंक खातों में जो भी साइबर ठगी के रूपए आते हैं, उसका 10 प्रतिशत कमीशन एटीएम से रूपए निकालने के बाद पकड़े गए शातिरों को नगद देता है। गैंग सरगना, ठगी का रूपया बैंक खाते में आने से पहले ही फेसबुक और वॉट्सएप कॉल करके पकड़े गए शातिरों को बता देता था। इसके बाद पकड़े गए शातिर नजदीकी एटीएम से रूपए निकाल लेते थे। बताया कि गैंग सरगना सचिन, पकड़े गए सभी सदस्यों को महीने में एक निश्चित दिन पर इकट्टे होकर ठगी के रूपयों का बंटवारा करते थे। गैंग सरगना सचिन पकड़े गए शातिरों को कमीशन देने के बाद बचे हुए रूपयों को अन्य बैक खातों में एटीएम मशीन से जमा करा देता था। सीओ अनिल कपरवान ने बताया कि गैंग सरगना सचिन पकड़े गए शातिरों से कहता था कि वह कभी पकड़े नहीं जाएंगे, क्योंकि ठगी की रकम निकालने के लोगों दक्षिण और पश्चिम भारत की बैंकों के खातों से किया जाएगा।

गैंग सरगना के कहने पर पकड़े गए शातिरों ने अलग-अलग बैंकों में खाते खुलवा कर ठगी के रूपयों को सरगना को देते थे और इसके बाद सरगना सभी बैंक खातों को विभिन्न राज्यों में देता था। उन्होंने बताया कि गैंग सरगना सचिन ने एक चैन बनाते हुए गैंग के प्रत्येक सदस्य से तीन बैंक खाता खुलवाने की जिम्मेदारी देता था। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

कोसीकलां पुलिस ने दबोचे तीन गौ-तस्कर : दो गौवंश और बांक किए बरामद

मथुरा (जीएनएस)। थाना कोसीकलां क्षेत्र स्थित कामर-बिछोर रोड़ से पुलिस ने कटान के लिए गौवंश लेकर जा रहे तीन अन्तराज्रीय गौ-तस्करों को दबोच लिया।जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी कोसीकलां राजकमल सिंह पुलिस टीम के साथ गश्त कर रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि तीन गौ-तस्कर, कामर-बिछोर रोड़ से कटान के लिए गौवंश ले जाने वाले हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी राजकमल सिंह पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। उसी दौरान मैक्स पिकअप गाड़ी में गौवंश लेकर जा रहे अन्तर्राज्यीय गौ-तस्कर राजू पुत्र छोटेलाल निवासी बरहन थाना बरहन जिला आगरा, वीरेंद्र कुमार पुत्र राकेश कुमार निवासी बैनयी खुर्द थाना बरहन जिला

आगरा और अनिल कुमार पुत्र कृष्णगोपाल निवासी बैनयी खुर्द थाना बरहन जिला आगरा को घेराबंदी करके दबोच लिया। पुलिस ने पकड़ी गई मैक्स पिकअप से दो गौ-वंश, दो बांक और तीन मोबाइल बरामद किए हैं। इसके बाद पुलिस ने बरामद की गईं 2 गौवंश गाय को दुवार्सा ऋषि गऊशाला में भिजवा दिया। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

मथुरा (जीएनएस)। थाना कोसीकलां क्षेत्र स्थित शाहपुर में अवैध तरीके से पशुओं का मांस बेच रहे दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी कोसीकलां राजकमल सिंह पुलिस टीम के साथ संदिग्धों की चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि गांव शाहपुर में कुछ लोग अवैध तरीके से पशुओं का मांस बेच रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी राजकमल सिंह

पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस ने मौके से पशु का मांस काटकर बेच रहे आस मोहम्मद पुत्र हनीफ और दिलशाद पुत्र नसीर निवासीगण शाहपुर थाना कोसीकलां को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मौके से भैंस के पड्डे का अवैध कटा हुया 75 किले मांस, एक बांक, एक चाकू, पशुओं का मीट को टांगने वाले 13 छोटे-बड़े कांटे और एक इलैक्ट्रॉनिक तराजू तराजू बरामद किया है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

गैंगरेप को दो आरोपी और एक महिला को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मथुरा (जीएनएस)। थाना कोतवाली क्षेत्र स्थित मालगोदाम रोड़ से पुलिस ने गैंगरेप के मामले में फरार चल रहे दो आरोपी और सहयोग करने वाली एक महिला को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार कोतवाली प्रभारी विनोद बाबू मिश्र और एसएसआई सुनील जोशी पुलिस टीम के साथ वांछित आरोपियों की तलाश कर रहे थे। उसी दौरान मुखबिर की सूचना मिलने पर गैंगरेप के फरार आरोपी राजा पुत्र गोपाल निवासी पुलिस चौकी के पीछे जाटव बस्ती रुनकता थाना सिकंदरा जिला आगरा, रजत पुत्र साहब सिंह निवासी अम्बेडकर कॉलोनी थाना कोतवाली, मथुरा और दुष्कर्म की घटना में सहयोग करने वाली एक महिला को मालगोदाम रोड़ से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

डीएम का सख्त एक्शन, 76 जर्जर स्कूल भवनों को किया जाएगा ध्वस्त, 1 करोड़ रुपए स्वीकृत

(जीएनएस)।

देहरादून के 76 जर्जर स्कूल भवनों को ध्वस्त किया जाएगा। जिलाधिकारी सविन बंसल ने बड़ा एक्शन लेते हुए इस कार्य के लिए 1 करोड़ रुपए स्वीकृत किए है।। डीएम ने 7 दिन भीतर रिपोर्ट एस्टीमेट निर्मित कर ध्वस्तीकरण स्वीकृत किया है। सभी बच्चों के पठन-पाठन की वैकल्पिक व्यवस्था की गई है।

जिलें में वर्षों से जर्जर पड़े स्कूल भवन पहली बार निष्प्रोज्य हुए हैं। सीएम पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर बच्चों की जान का जोखिम बने देहरादून जिले के 76 जर्जर स्कूल भवनों को एक झटके में ध्वस्त किया जाएगा। जिलाधिकारी सविन बंसल ने कहा कि हजारों नौनिहालों की जीवन सुरक्षा सर्वोपरि है।

देहरादून जिले में वर्षों से जर्जर अवस्था में पड़े विद्यालय भवनों को लेकर जिला प्रशासन ने पहली बार ठोस एवं निर्णायक कदम उठाए हैं। जिलाधिकारी सविन बसंल ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि मुख्यमंत्री के सख्त निर्देश है कि नौनिहालों के जीवन से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसी क्रम में जर्जर एवं निष्प्रोज्य

विद्यालय भवनों की पहचान, आकलन और ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया को तेज कर दिया गया है।

जिलाधिकारी की सख्ती के बाद महज 10 दिनों के भीतर 100 विद्यालयों के जर्जर भवनों की रिपोर्ट प्राप्त हुई। रिपोर्ट में देरी को लेकर जिलाधिकारी ने कड़ा रुख अपनाया था, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। शिक्षा विभाग ने स्कूलों की सूची पूर्ण रिपोर्ट के साथ जिला प्रशासन को सौंप दी है।

जिलाधिकारी के निर्देश पर लोक निर्माण विभाग (लोनिवि) को निष्प्रोज्य एवं आंशिक निष्प्रोज्य विद्यालय भवनों के आंगणन (एस्टिमेट) तैयार करने के निर्देश दिए गए थे। इसके लिए ₹1 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है, ताकि ध्वस्तीकरण एवं आवश्यक सुरक्षा उपायों में कोई विलंब न हो। जनपद में कुल 79 विद्यालयों के सम्पूर्ण भवन निष्प्रोज्य पाए गए हैं, इनमें 13 माध्यमिक एवं 66 प्राथमिक विद्यालय शामिल हैं।

63 विद्यालयों में शिक्षण की वैकल्पिक व्यवस्था पहले ही सुनिश्चित कर दी गई है। 16 विद्यालय ऐसे हैं, जहाँ अभी वैकल्पिक व्यवस्था नहीं हो पाई है। इनके लिए तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था के निर्देश दिए गए हैं। 17 विद्यालय आंशिक रूप से निष्प्रोज्य घोषित किए गए हैं। 8 विद्यालय ऐसे हैं, जहाँ ध्वस्तीकरण की आवश्यकता नहीं पाई गई है। जिलाधिकारी ने पूर्णतः निष्प्रोज्य विद्यालयों में तत्काल ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की जाएगी। जिन विद्यालयों में वैकल्पिक शिक्षण व्यवस्था नहीं है, वहाँ पहले वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित कर उसके बाद ध्वस्तीकरण किया जाएगा।

जूते की माला वाला बयान क्यों दिया?- पूर्व विधायक आरडी प्रजापति की सफाई, जानिए पूरी कहानी कैसे वीडियो हुआ वायरल

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर जुबान का जहर उगलने का मामला सामने आया है। पूर्व विधायक आरडी प्रजापति के कथावाचकों और संतों को लेकर दिए गए विवादित बयान ने प्रदेश की सियासत को गरमा दिया है।

बयान वायरल होने के बाद जब वन इंडिया हिंदी ने उनसे संपर्क कर यह जानने की कोशिश की कि आखिर उन्होंने इतना आपत्तिजनक बयान क्यों दिया, तो आरडी प्रजापति ने सफाई देते हुए कहा कि उनका बयान सभी कथावाचकों और संतों के लिए नहीं था, बल्कि कुछ खास लोगों के संदर्भ में था।

कथावाचकों और संतों को लेकर दिए गए विवादित बयान पर घिरे पूर्व विधायक आरडी प्रजापति ने अब अपनी बात स्पष्ट की है। उन्होंने कहा कि उनका बयान सभी संतों या कथावाचकों के लिए नहीं था, बल्कि उन लोगों के खिलाफ था जो सार्वजनिक मंचों से महिलाओं का अपमान करते हैं और उन्हें केवल भोग की वस्तु के रूप में प्रस्तुत करते हैं।

आरडी प्रजापति ने कहा- "जिसे रामभद्राचार्य महाराज कहा जाता है, वह यह कहता है कि 'वाइफ' का फुल फॉर्म होता है वंडरफुल इंस्ट्रूमेंट फॉर एंजॉय, यानी महिलाएं केवल एंजॉयमेंट का साधन हैं। ऐसे बयान महिलाओं के सम्मान के खिलाफ हैं और यही

मानसिकता समाज को पीछे ले जाती है।"

पूर्व विधायक ने आगे कहा कि उनके द्वारा दिया गया बयान ऐसे ही लोगों के लिए था, न कि पूरे संत समाज के लिए।"ऐसे बाबा जो महिलाओं को अपमानजनक नजर से देखते हैं, जो उन्हें केवल उपभोग की वस्तु समझते हैं, उन्हीं के लिए मैंने कहा था कि उन्हें समाज के सामने जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। ऐसे लोगों को बीच बाजार जूते की माला पहनाकर घुमाया जाना चाहिए, ताकि समाज में गलत संदेश न जाए।"

बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया

आरडी प्रजापति का कहना है कि उनके बयान को जानबूझकर संदर्भ से हटाकर वायरल किया गया।

उन्होंने कहा- "मैं महिलाओं के सम्मान के पक्ष में खड़ा हूं। मेरा विरोध धर्म के खिलाफ नहीं है, बल्कि धर्म की आड़ में महिलाओं को अपमानित करने वाली सोच के खिलाफ है।"

कथावाचकों पर सीधा हमला

आरडी प्रजापति का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे कहते नजर आ रहे हैं- "कुछ कथावाचकों को जूते की माला पहनाकर नंगा घुमाया जाना चाहिए।"इस बयान के सामने आते ही धार्मिक संगठनों, संत समाज और राजनीतिक दलों में आक्रोश फैल गया। कई लोगों ने इसे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला और घोर आपत्तिजनक करार दिया।

जगद्गुरु रामभद्राचार्य पर भी साधा निशाना

आरडी प्रजापति यहीं नहीं रुके। उन्होंने जगद्गुरु रामभद्राचार्य पर भी सीधा हमला बोला और उन्हें "अंधाचार्य" तक कह डाला। इस टिप्पणी के बाद संत समाज में नाराजगी और ज्यादा बढ़ गई। सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं।

धीरेंद्र शास्त्री और अनिरुद्ध आचार्य पर भी तीखे तंज

पूर्व विधायक ने बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री और कथावाचक अनिरुद्ध आचार्य को भी अपने निशाने पर लिया। बयान में उन्होंने बेहद आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए कहा- "एंजॉय करने वाली मां से पैदा हुए हो?"

इस टिप्पणी को लेकर न सिर्फ धार्मिक बल्कि सामाजिक स्तर पर भी विरोध शुरू हो गया है। कई लोगों ने इसे सभ्य समाज की मयार्दा के खिलाफ बताया है।

बयान पर दी सफाई, लेकिन सवाल बरकरार

बयान वायरल होने के बाद जब वन इंडिया हिंदी ने आरडी प्रजापति से सवाल किया, तो उन्होंने कहा कि- "मेरा बयान सभी कथावाचकों और संतों के लिए नहीं था। कुछ लोग धर्म की आड़ में समाज को गुमराह कर रहे हैं, उन्हीं के खिलाफ मैंने यह बात कही थी।"

हालांकि, उनकी यह सफाई भी लोगों को संतोषजनक नहीं लगी। विरोध करने वालों का कहना है कि सार्वजनिक मंच से इस तरह की भाषा किसी भी हाल में स्वीकार्य नहीं हो सकती।

OBC-SC-ST महासम्मेलन में दिया गया बयान

गौरतलब है कि यह बयान आज भोपाल के दशहरा मैदान में आयोजित OBC, SC और ST समाज के महासम्मेलन के दौरान दिया गया।

यह महासम्मेलन कअर अधिकारी संतोष वर्मा के समर्थन और विभिन्न सामाजिक मांगों को लेकर बुलाया गया था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे और मंच से दिए गए इस बयान ने पूरे आयोजन की दिशा ही बदल दी।

राजनीति गरम, कार्रवाई की मांग

पूर्व विधायक के इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में भी हलचल तेज हो गई है। कई संगठनों ने उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई और सार्वजनिक माफी की मांग की है। वहीं कुछ समर्थक इसे अभिव्यक्ति की आजादी से जोड़कर देख रहे हैं। फिलहाल आरडी प्रजापति के बयान ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या सार्वजनिक मंचों से बोलने वाले नेताओं को अपनी भाषा और मयार्दा की कोई सीमा नहीं होनी चाहिए।

नगरसेवक ताज में, भाजपा पर सौदेबाजी के आरोप और जेल का तंज, क्या है मुंबई मेयर विवाद?

(जीएनएस)।

भारत के सबसे धनी नागरिक निकाय बृहद मुंबई नगर निगम में महापौर पद का मुकाबला एक बार फिर महाराष्ट्र की राजनीति के पुराने पैटर्न को जिंदा कर दिया है। भाजपा-शिवसेना (शिंदे गुट) गठबंधन ने विधानसभा चुनावों में बहुमत का आंकड़ा बमुश्किल पार किया है, जिसके बाद होटल में पार्षदों का जमावड़ा, कम संख्या और तीखी जुबानी जंग का दौर शुरू हो गया।

इस सियासी उठापटक के केंद्र में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे हैं। उद्धव ठाकरे द्वारा बीएमसी महापौर अपनी पार्टी से होने का संकेत मिलते ही, शिंदे ने अपने नवनिर्वाचित पार्षदों को होटल भेज दिया। रविवार रात उन्होंने बांद्रा के ताज लैंड्स एंड में रुके अपनी पार्टी के 29 पार्षदों से मुलाकात की।

शिंदे के बयान ने बढ़ाया सस्पेंस

शिंदे ने इस परिणाम को तयशुदा बताते हुए घोषणा की कि मुंबई में महायुति का ही महापौर होगा। उन्होंने यह भी कहा कि कल्याण-डोंबिवली जैसे पड़ोसी नागरिक निकाय भी इसी राह पर चलेंगे, जो गठबंधन के आत्मविश्वास को दशार्ता है।

शिवसेना (शिंदे गुट) का दावा है कि बांद्रा में पार्षदों का रुकना नव-निर्वाचित सदस्यों (जिनमें 29 में से 20 नए हैं) के लिए तीन दिवसीय दिशानिर्देशन कार्यक्रम है, जो कोंकण मंडलीय आयुक्त के साथ औपचारिक पंजीकरण से पहले की प्रक्रिया है। हालांकि, विपक्ष उनके इस स्पष्टीकरण से आश्वस्त नहीं है।

महायुति की जीत के बाद कहां अटका है मामला?

227 सदस्यीय सदन में भाजपा 89 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी, जबकि शिंदे की शिवसेना ने 29 सीटें जीतीं। इससे महायुति का कुल आंकड़ा 118 तक पहुंचा, जो बहुमत के 114 के आंकड़े से सिर्फ चार सीट अधिक है। इतना कम अंतर दल-बदल से महापौर चुनाव को जटिल बना सकता है।

शिंदे खेमे के नेता निजी तौर पर स्वीकार करते हैं कि पार्षदों को होटल में ठहराना अंतिम घड़ी में संभावित सेंधमारी से बचाव के लिए भी है। यह उनकी सतर्कता को दशार्ता है ताकि कोई अप्रत्याशित घटना न हो।

संजय राउत ने ताज होटल को बताया जेल, पार्षदों को रिहा करने की मांग

विपक्षी शिवसेना (यूबीटी) का आरोप है कि बांद्रा में पार्षदों का जमावड़ा महापौर पद पर भाजपा के साथ सौदेबाजी छिपा रहा है। यूबीटी सांसद संजय राउत ने होटल को "जेल" बताया, पार्षदों की "रिहाई" मांगी। उनका दावा है कि उपमुख्यमंत्री शिंदे को अपने विधायकों को खोने का डर है।

शिंदे ने इन आरोपों को खारिज कर अपनी पार्टी को "निडर" बताया। उन्होंने प्रतिद्वंद्वियों पर पलटवार करते हुए संकेत दिया कि मतदान के दिन कुछ विपक्षी पार्षद ही "लापता" हो सकते हैं। मंत्री उदय सामंत ने भी अनुपस्थिति या क्रॉस-वोटिंग से हैरान करने वाले परिणामों की संभावना जताई।

महापौर का चुनाव पार्षदों द्वारा होता है, जिसमें सत्ता पक्ष तय करता है कौन कुर्सी पर बैठेगा। महायुति बहुमत की दहलीज पार करती है, पर कम अंतर से तनाव बरकरार है।